टूंडला-रामनगर(उ.प्र.)। विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. विजय बहन, ब्र.कु. रेखा तथा ब्र.कु. तनु।

ग्वालियर-म.प्र.। राजेश हिंगणकर,आई.पी.एस. को ओम शान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. प्रहलाद भाई। साथ हैं ब्र.कु. ज्योति बहन तथा अन्य।

आरा-बिहार। ज्ञान चर्चा के पश्चात् चित्र में भोजपुर जिले के कोइलवर में स्थित केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल की 47वीं बटालियन के अतिरिक्त कमाण्डेंट पीयूष कुमार तथा जवानों सहित सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. किरण बहन तथा ब्र.कु. रूपा बहन।

मनसा सेवा द्वारा साकाश देने की विधि

ब्र.कु. उषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

- गतांक से आगे

जैसा कि आप सभी ने पिछले अंक में पढ़ा, जाना कि मनसा सेवा द्वारा साकाश देने की विधि में पहले प्रकार की सेवा कौन-सी है तो अब है दूसरे प्रकार की सेवा। दूसरे प्रकार की जो सेवा कही वो है वृत्ति द्वारा वायुमण्डल। जिस तरह से भावना का सम्बन्ध संकल्पों से है, उसी तरह वृत्ति का सम्बन्ध है दृष्टि के साथ। दृष्टि के साथ वृत्ति का बहुत गहरा सम्बन्ध है। ये भी सूक्ष्म स्तर की है। व्यक्ति जो देखता है, जिस एंगल से देखता है वही उसकी वृत्ति के अन्दर बात समा जाती है। अगर देखने का दृष्टिकोण पॉज़िटिव है तो हमारी वृत्ति अच्छी क्रियेट होगी। और देखने का दृष्टिकोण हमारा निगेटिव है तो हमारी वृत्ति उस आत्मा के प्रति या टोटल जो हमारी वृत्ति से वायब्रेशन निकलते हैं वो वायब्रेशन निगेटिव होंगे।

विज्ञान ने अब इस बात को समझा है कि हरेक व्यक्ति के आस-पास, या हरेक व्यक्ति से वायब्रेशन निकलते हैं। किसी के निगेटिव वायब्रेशन तो किसी के पॉज़िटिव वायब्रेशन होते हैं। लेकिन उन वायब्रेशन से उसका औरा तैयार होता है। उसके चारों ओर एक प्रभामंडल तैयार होता है। और जितना ये रिलिज़ होता जाता है वायब्रेशन या प्रभामंडल, उतना वो वायुमंडल को क्रियेट करता है। तो पूरा वायुमंडल उस हिसाब से बदलने लगता है। जैसे आप किसी के घर में जाओ, वहाँ उस परिवार में प्रतिदिन झगड़ा होता हो तो वहाँ जाने के बाद जब भी आप बैठेंगे, आपके अन्दर आता है कि चलो जल्दी उठें यहाँ से। लेकिन आप उस वातावरण से मधुबन के वातावरण में आये। तो क्या महसूस होता है कि और दो दिन रहने को मिल जाता। ये वातावरण जो है वो आकर्षित करता है। जिसके अन्दर एक प्रकार का मैग्नेटिज्म है। क्योंकि लम्बे समय से बाबा यहाँ रहा हुआ है, दादियां रही हुई हैं तो यहाँ एक

जितना ज़्यादा हमारा अभ्यास होगा, उतनी हमारी कम्पलीट पर्सनैलिटी चेंज होती जायेगी। और वृत्ति के द्वारा वायुमंडल क्रियेट हो जायेगा।

वायब्रेशन जो है बना हुआ है। जो वायुमडल के अन्दर फैल गया है। और इतना हाई पॉवर का है जिससे खुशी मिलती है, चार्ज हो रहे हैं ये फील होता है।

जब हमारे वायब्रेशन शुद्धि के होंगे तो जो अंतिम समय आत्मायें आयेंगी वो दूर से उस शुद्ध वातावरण की ओर जैसे आकर्षित होंगी। और कहेंगी कि हमें अंचलि दे दो। जिसको बाबा कहते हैं आप लाइट हाउस, माइट हाउस बन जायेंगे। इसीलिए बाबा भी हम बच्चों को कहते हैं कि बच्चे हमेशा एक पॉज़िटिव दृष्टि, दृष्टिकोण आपका जितना रहेगा उतनी आपकी आंतरिक वृत्ति का शुद्धिकरण होता जायेगा। इसीलिए बाबा हमें मुरली के माध्यम से भी अलग-अलग दृश्य दिखाते हैं। कभी बाबा सतयुग की बातें करके हमें दृश्य दिखाता है। कभी परमधाम की बातें करके हमें वो दृश्य दिखाता है। कभी बाबा कहता है कि बच्चे वतन में आ जाओ, मेरे साथ बैठो वो दृश्य दिखाता है। ये अलग-अलग दृश्य जो बाबा ने दिखाये हैं मुरली के माध्यम से, जितना हम इन दृश्यों को अंतरचक्षु से देखते जाते उतना हमारी वृत्ति वैसी बनने लगती है।

इसीलिए बाबा जो हमको रोज़ मुरली में कहते हैं, बच्चे आत्म अभिमानी बनो। तो क्यों बाबा ये शब्द कहते हैं? क्योंकि आत्म अभिमानी बनने में आप 100प्रतिशत अपनी वृत्ति का शुद्धिकरण करते हो। जब कर्म से निवृत्त होकर आत्म अभिमानी स्थिति में बैठते हैं अर्थात् आत्मा के सातों गुणों को इमर्ज करते हैं। जितना हम इमर्ज करते हैं उतना हमारी वृत्ति के अन्दर वो रिलीज़ होने लगते हैं। उसी से हमारा प्रभामंडल बनता है। और उन सातों गुणों में ही वो मैग्नेटिज्म है। मैग्नेटिज्म बनने के लिए मुझे बार-बार आत्म अभिमानी स्थिति में जाने का अभ्यास करना होगा। जितना ज़्यादा हमारा अभ्यास होगा, उतनी हमारी कम्पलीट पर्सनैलिटी चेंज होती जायेगी। और वृत्ति के द्वारा वायुमंडल क्रियेट हो जायेगा। बड़ी दादी के लिए हमेशा ये बात सुनते थे वो जहाँ जाती थीं वहाँ का पूरा वातावरण चार्ज कर देती थीं। तो इसी तरह मैग्नेटिक पर्सनैलिटी हम अपनी भी क्रियेट कर सकते हैं। जिससे अनेक आत्माओं को अंचलि मिलेगी।

- क्रमशः

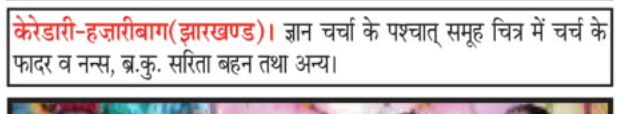

केरेडारी-हज़ारीबाग(झारखण्ड)। ज्ञान चर्चा के पश्चात् समूह चित्र में चर्च के फादर व नन्स, ब्र.कु. सरिता बहन तथा अन्य।

आमगाव-गोंदिया(महा.)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस के अध्यक्ष विजय शिवणकर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. रत्नमाला दीदी, ब्र.कु. स्मिता दीदी। साथ हैं ब्र.कु. वैशाली दीदी तथा ब्र.कु. ललिता बहन।

दीसा-गुज.। बी.सी.ए. कॉलेज में आध्यात्मिक कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कॉलेज के प्रिन्सीपल हितेश भाई मर्ध, हीरा भाई, मेवा भाई, ब्र.कु. पायल बहन तथा ब्र.कु. भारती बहन।

पटना-खाजपुरा(बिहार)। ज्ञान चर्चा के पश्चात् समूह चित्र में दानापुर आर.पी.एफ. के सीनियर कमाण्डेंट संतोष कुमार सिंह राठौर तथा वहाँ के सेवाकर्मियों, खाजपुरा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. अंजू बहन, ब्र.कु. सिंधु बहन, ब्र.कु. मीरा बहन, ब्र.कु. रविन्द्र भाई, ब्र.कु. धर्मेन्द्र भाई तथा ब्र.कु. मनीष भाई।

नवापारा-राजिम(छ.ग.)। चरण दास महंत,अध्यक्ष,विधानसभा छ.ग. व अमितेश शुक्ल,विधायक,राजिम विधानसभा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. पुष्पा बहन व ब्र.कु. नारायण भाई।

राजगढ़-म.प्र.। शिव वरदान भवन में श्री कृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुनंदन शर्मा, पूर्व विधायक हेमराज कल्पोनी, यूको बैंक मैनेजर जितेन्द्र यादव, कैरियर कॉन्वेंट स्कूल के संचालक राकेश पांडे, भाजपा नेता श्याम गुर्जर, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मधु बहन, शिक्षिका सृष्टि पांडे एवं सजे राधा-कृष्ण।

पटना-बिहार। पटना चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ के शाहू जैन हॉल में इंद्रप्रस्थ एजुकेशनल रिसर्च एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित 'ग्लोबल राइज़िंग स्टार अवॉर्ड्स 2021' कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. मोनिका बहन,छोटा उदेपुर,गुज. को सामाजिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'ग्लोबल राइज़िंग स्टार अवॉर्ड' से काजल यादव,नेशनल प्रेसीडेंट,आई.ई.आर.सी.टी.,दिल्ली, मुख्य अतिथि आर्ट एंड कल्चर स्टेट मिनिस्टर आलोक रंजन झा तथा पथ निर्माण राज्यमंत्री नितिन नवीन ने सम्मानित किया।

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें....

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न - 5, आबू रोड (राज.) 307510
सम्पर्क- M- 9414006096, 9414182088,
Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक 200 रुपये, तीन वर्ष 600 रुपये,
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शांतिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

For Online Transfer
BANK NAME:- STATE BANK OF INDIA(SBI)
ACCOUNT NO: - 30826907041
ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA
IFSC - CODE - SBIN0010638
BRANCH:- Prajapita Brahmakumaris Ishwariya Vishwa Vidhyalya,Shantivan
Note:- AfterTransfer send detail on E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org or
Whatsapp, Telegram No.:- 9414172087